सांध्य दैनिक
4PM

ये दुनिया एक रंगमंच है और सभी पुरुष और स्त्रियां महज किरदार हैं, उनको आना और जाना होता है और एक व्यक्ति अपने जीवन में कई किरदार निभाता है।
–विलियम शेक्सपीयर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 312 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 23 दिसम्बर, 2022

'रुकेगी नहीं कश्मीर तक जाएगी... 2 | सर्दी में सियासी गर्माहट महसूस... 3 | एक्शन में सुक्खू सरकार: भाजपा... 7

चीन और यात्रा सरकार का बनी सिरदर्द तो समाप्त कर दिया शीतकालीन सत्र

सप्ताहभर सड़क से संसद तक गरमायी रही सियासत

» सर्दी के साथ ही चढ़ता गया राजनीतिक पारा
» कोरोना के बहाने राहुल रहे बीजेपी के निशाने पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सर्दी के साथ ही देश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। सरकार ने चीन के मुद्दे पर संसद में चर्चा न कराकर राजनीति को गरमा दिया। चीन और यात्रा के मुद्दे पर विपक्ष सरकार पर पूरी तरह हमलावर है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को कोरोना के बहाने बंद करने की बात पर केन्द्र सरकार से कांग्रेस भिड़ गई। वहीं मोदी सरकार शीतकालीन सत्र में चीन पर चर्चा कराने से सहमी रही। यही वजह रही कि सरकार ने समय से पहले संसद सत्र को अनिश्चितकाल के लिए समाप्त कर दिया है।

64 घंटे 50 मिनट चली राज्यसभा

राज्यसभा की शीतकालीन सत्र की बैठक शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई और इस दौरान सदन में 102 प्रतिशत कामकाज हुआ। सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने से पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने अपने पारंपरिक संबोधन में बताया कि इस दौरान 63 घंटे 20 मिनट का कामकाज निर्धारित था जबकि 64 घंटे 50 मिनट कामकाज हुआ। उन्होंने कहा कि इस दौरान सदन में कई महत्वपूर्ण विधेयकों को चर्चा कर पारित किया गया और कई जरूरी मामलों पर सदन में चर्चा हुई।

साल 2022 के दिसंबर माह का तीसरा सप्ताह देश की राजनीति के लिए कई मुद्दों पर अहम रहा। जहां इस सप्ताह देश में सड़क से लेकर संसद तक सियासत पूरी तरह गरमायी रही, वहीं चीन का सीमा विवाद, कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा और कोरोना का बढ़ता खतरा सरकार के लिए किसी खतरे की घंटी से कम नहीं रहा। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर चीन के सीमा पर बढ़ते दखल को लेकर चर्चा कराने की बात रखी, मगर सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने को तैयार नहीं हुई। इस पर विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया।

चीन के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने से सहमी रही मोदी सरकार

उधर, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को दिल्ली की ओर बढ़ता देख सरकार ने उसे रोकने के लिए सियासी दांव खूब चला, मगर सरकार अपने मंसूबों में कामयाब होती नहीं दिखी। कोरोना के बहाने सरकार ने कांग्रेस और राहुल को यात्रा रोकने की नसीहत दी तो राहुल गांधी ने अपने बयान में साफ कहा है कि उनकी यात्रा रुकने वाली नहीं है, वे अपनी मंजिल तक पहुंचेगें। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग ने सर्दी में सियासत के तापमान को बढ़ा दिया। समय से पहले संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त करना भी कही न कही सरकार का कुछ मुद्दों पर विपक्ष के हमलों से बचाव की वजह है। गौरतलब है कि अरुणाचल प्रदेश के तवांग में जैसे ही चीनी सैनिकों के भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की खबर सामने आई थी, विपक्ष उसको लेकर सरकार पर हमलावर हो गया था। विपक्षी दलों ने सदन में चीन के सीमा पर बढ़ते दखल को लेकर चिंता जताते हुए इस पर चर्चा करने का प्रस्ताव दिया था। कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे की मांग पर सरकार सकते में आ गई और सदन में चीन के मुद्दे पर चर्चा करने से हाथ खींच लिए। जिसके बाद सरकार पर विपक्ष के हमले बढ़ते चले गये। इसी बीच चीन में कोरोना के बढ़ते आंकड़े और राहुल गांधी की दिल्ली की ओर बढ़ती भारत जोड़ो यात्रा भी सरकार के लिए सिरदर्द बन गई।

राजद महासचिव का बयान

भारत में अब पहले जैसा माहौल नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की लालू-राबड़ी सरकार में वित्त मंत्री जैसी अहम जिम्मेदारी निभा चुके राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी को भारत में रहने वाली स्थिति नहीं दिख रही है। उन्हें अब देश का माहौल ठीक नहीं लग रहा है। उन्होंने अपने बेटे-बेटी को विदेश में ही बसने की सलाह दी है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों ने खुद को बालिग बताते हुए अपनी सूझबूझ से फैसला करने की बात कही है।

अनीसाबाद में कार्यक्रम के दौरान अब्दुल बारी सिद्दीकी ने बच्चों के साथ अपनी इस बातचीत का जिक्र किया। कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि मेरा बेटा अभी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में

पढ़ रहा है, जबकि बेटी लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पास आउट है। मैं भले यहां हूं, मगर बेटा-बेटी को कहा है कि विदेश में नौकरी मिले तो वहीं रह लो। वहां की सिटीजनशिप मिल जाए तो वह भी ले लो। अब इंडिया में पहले जैसा माहौल नहीं रह गया है। ताजा हालात को नहीं झेल पाओगे। मातृभूमि छोड़ना तकलीफदेह है, लेकिन अब ऐसा दौर आ गया है। उधर, इस बयान का भाजपा ने कड़ा विरोध किया है।

बेटे का जवाब- दुनिया देख रहे हैं, खुद लेंगे फैसला

पिछले दिनों राजद के बिहार प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी के दावेदार के रूप में प्रचारित किए जा रहे सिद्दीकी ने बाद में कहा कि उन्होंने ताजा हालात समझते हुए बच्चों को समझाया, हालांकि बेटे ने उन्हें जवाब दिया कि वह बालिग हैं। दुनिया देख रहे हैं। सबकुछ समझ सकते हैं। इसलिए, भारत आने या नहीं आने का फैसला खुद ले सकते हैं।

मरीजों से बदसलूकी और वसूली पर अब खैर नहीं : ब्रजेश पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और चिकित्सा अधीक्षकों को ताकीद दी है कि अस्पतालों में मरीजों और उनके परिवार को किसी किस्म की परेशानी न हो। डॉक्टर और कर्मचारी अपने कामकाज में बदलाव लाएं।

किसी भी हालत में मरीजों से बदसलूकी और वसूली जैसी घटनाएं न हों। अगर ऐसा हुआ तो कड़ी कार्रवाई होगी। अस्पताल में किसी भी तरह की अव्यवस्था को रोकने के लिए नियमित रूप से दौरा करें। गोंडा में हाल ही में सामने आई मरीजों की वसूली की घटना के बाद जिला महिला चिकित्सालय में संविदा पर तैनात दो डाक्टरों व पांच कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया था। ब्रजेश पाठक ने कहा कि सरकार लगातार मरीजों को सुविधायें मुहैया कराने के लिए कोशिश कर रही है। काफी हद तक डॉक्टर और कर्मचारी मेहनत से काम कर रहे हैं। ब्रजेश पाठक ने दावा किया है कि साल 2017 के बाद से अस्पतालों में काफी सुधार भी हो रहा है। डॉक्टर-कर्मचारियों के बर्ताव में बदलाव आया है। संसाधन भी बढ़े हैं। मरीजों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत की जा रही है।

» मरीजों के साथ आए तीमारदारों को भी न हो परेशानी

» योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रयासरत

स्वास्थ्य मंत्री ने दिए निर्देश

- ओटी के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवाये जायें
- जहां कैमरे लगे हैं अधिकारी उन्हें देखें। यदि खराब हैं तो चालू करवाएं
- मरीजों से किसी भी दशा में पैसे न लिये जाएं
- महिला अस्पताल में भी विशेष सतर्कता बरती जाए
- जांच से लेकर सभी दवा मरीजों को मुफ्त उपलब्ध कराई जाए
- साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए
- ठंड से बचाव के इंतजाम किए जाएं
- तीमारदारों के लिए अलाव की व्यवस्था करें
- पीने के साफ पानी का इंतजाम करें

कुछ लोग सबकी मेहनत पर फेर रहे पानी

स्वास्थ्य विभाग में फैली अव्यवस्था पर डिप्टी सीएम का कहना था कि कुछ डॉक्टर-कर्मचारी मरीजों को परेशान करने से बाज नहीं आ रहे हैं। इससे सबकी मेहनत पर पानी फिर रहा है। ऐसे लोग सतर्क हो जाए और अपने कामकाज का तरीका बदल लें नहीं तो कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि गोंडा जैसी घटनाएं भविष्य में नहीं होनी चाहिए। ऐसे करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। बृजेश पाठक ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में इलाज की सभी सुविधाये मुफ्त मुहैया कराई जा रही हैं। लिहाजा अनैतिक रूप से धन कमाने की कोई भी चेष्टा न करे।

कोरोना के खतरे से हमें रहना होगा सतर्क : योगी

» नए वैरिएंट पर यूपी में रखी जाएगी पैनी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नए वैरिएंट और वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे कोरोना को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गतदिनों टीम-9 की बैठक में जरूरी निर्देश दिए हैं। की बैठक में योगी ने कहा फिलहाल राज्य में कोरोना की स्थितियां सामान्य हैं। बीते 24 घंटे में कोरोना का कोई भी मरीज प्रदेश में नहीं मिला है। कोरोना के नए वैरिएंट पर प्रदेश में नजर रखी जाए। किसी भी पॉजिटिव केस के आने पर उसकी जीनोम सीक्वेंसिंग कराई जाए।

सीएम योगी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में मास्क लगाने के लिए लोगों को जागरुक किया जाए। सीएम योगी ने कहा है कि आने वाले कुछ दिनों में नए केस में बढ़ोतरी हो, ऐसे में हमें अलर्ट रहना होगा। यह समय घबराने का नहीं, सतर्क और सावधान रहने का है। कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करना होगा। अस्पतालों, बस, रेलवे स्टेशन, बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाए जाने के लिए लोगों को जागरूक करना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि गृह, स्वास्थ्य और नगर विकास विभाग आपसी को-ऑर्डिनेशन के साथ इंटीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर को फिर से एक्टिव करने की तैयारी करें।

दिल्ली हर स्थिति से निपटने के लिए है तैयार : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे कोरोना और नए वेरिएंट बीएफ-7 से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इस के चलते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मुख्य सचिव सहित दिल्ली सरकार के विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की।

उन्होंने दिल्ली में उपलब्ध चिकित्सा संसाधन व सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही, आवश्यक संसाधनों को खरीदने व कर्मचारी बढ़ाने सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं केजरीवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि केंद्र सरकार से मिले दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। दिल्ली में अभी 92 फीसदी केस एक्स बीबी वेरिएंट के है। इसमें बेहद मामूली लक्षण लोगों में दिखते हैं। राजधानी में अभी तक नए वेरिएंट का कोई केस नहीं मिला है। फिर भी सरकार हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को पॉजिटिव केस जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजने, एहतियाती डोज बढ़ाने, जरूरी चीजों की खरीद के लिए मंजूरी लेने, अस्पतालों में मशीनों का निरीक्षण व कर्मचारी बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

'रुकेगी नहीं कश्मीर तक जाएगी भारत जोड़ो यात्रा'

» राहुल गांधी का भाजपा पर हमला, कहा-सच्चाई से डरती है भाजपा

» आरएसएस के नफरत भरे भारत को नहीं चाहते हम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोविड को लेकर भारत जोड़ो यात्रा रोके जाने की बहस के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार 'भारत जोड़ो यात्रा' को रोकने के लिए 'बहाने' ढूंढ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने चीन समेत कुछ देशों में कोरोनावायरस के मामलों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखकर उनसे अपील की थी कि यदि कोविड नियमों का पालन नहीं किया जा सकता, तो वह भारत जोड़ो यात्रा को निलंबित करने पर विचार करें।

राहुल गांधी ने हरियाणा के नूंह जिले के घासेड़ा गांव में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, यह यात्रा कश्मीर जाएगी। अब वे एक नया तरीका लेकर आए हैं। उन्होंने मुझे पत्र लिखा कि कोविड फैल रहा है, यात्रा रोक दो। उन्होंने कहा, अब वे यात्रा रोकने का बहाना बना रहे हैं। मास्क लगाओ, यात्रा रोको, कोविड फैल रहा है, ये सब बहाने हैं। केंद्र और हरियाणा में सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह सच्चाई से डरती है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की शक्ति से, हिंदुस्तान की सच्चाई से, ये लोग डर गए हैं, ये सच्चाई है।

हम आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नफरत भरे भारत को नहीं चाहते हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' 100 से अधिक दिनों से जारी है और इसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सहित सभी धर्मों के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने हिस्सा लिया है। इसमें लाखों लोगों ने हिस्सा लिया, लेकिन किसी ने किसी से यह तक नहीं पूछा कि उनका धर्म क्या है, वे कौन सी भाषा बोलते हैं या कौन सी जगह से आए हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

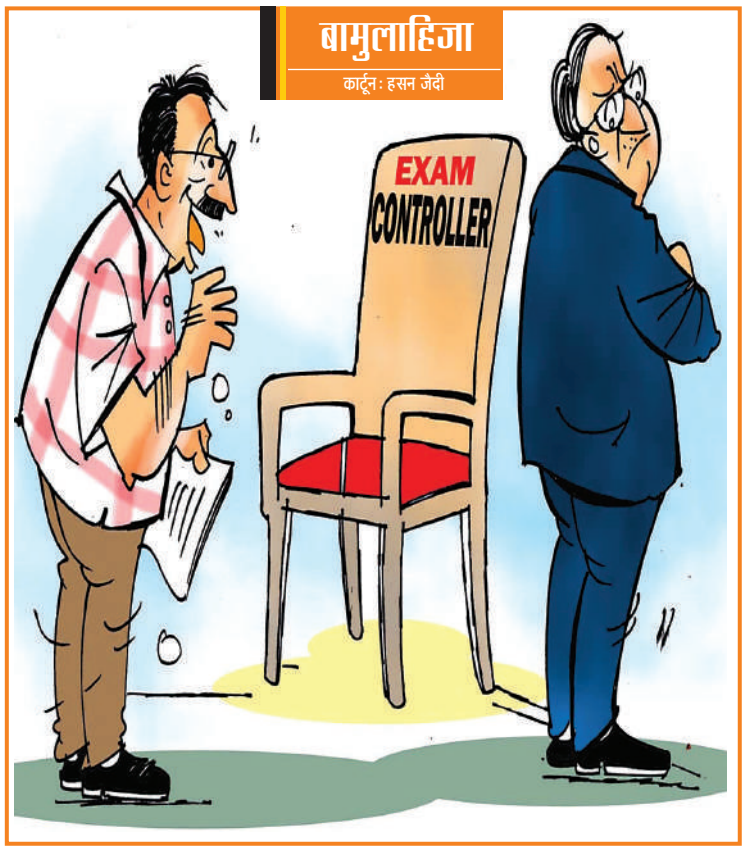

गुलाम की पार्टी से कश्मीर में तीन नेता हो गए आजाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी में जबरदस्त उठापटक चल रही है। नियुक्ति के दो दिन बाद ही संभागीय सचिव जय सिंह के इस्तीफे के बाद अब पार्टी से तीन बड़े नेताओं को निकाल दिया गया है। आजाद ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पूर्व उप मुख्यमंत्री ताराचंद, पूर्व मंत्री डॉ. मनोहर लाल व पूर्व विधायक बलवान सिंह को बाहर का रास्ता दिखाया।

तीनों को निष्कासित करने का आदेश पार्टी के महासचिव राजिंदर सिंह चिब यह तीनों नेता कांग्रेस छोड़ डीएपी में शामिल हुए थे। इस बीच ताराचंद ने एलान किया कि वह कांग्रेस में दोबारा लौट सकते हैं क्योंकि वह जन्म से ही कांग्रेसी हैं। वह अपने कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श कर रहे हैं। ताराचंद ने कहा कि वह कांग्रेस में लौट सकते हैं क्योंकि आजाद की पार्टी केवल धर्मनिरपेक्ष वोटों को विभाजित कर रही है। हमें उस वक्त पार्टी से निकाला गया जब वे कांग्रेस में लौटने पर विचार कर रहे थे। अधिकांश लोगों ने पार्टी छोड़ दिया है। अब कहां है पार्टी? अब इसका कोई अस्तित्व नहीं है और कुछ लोग ही इसमें रह गए हैं। चर्चा है कि तीनों नेता पिछले कुछ अरसे से कांग्रेस के प्रदेश और राट्रीय नेताओं के संपर्क में थे।

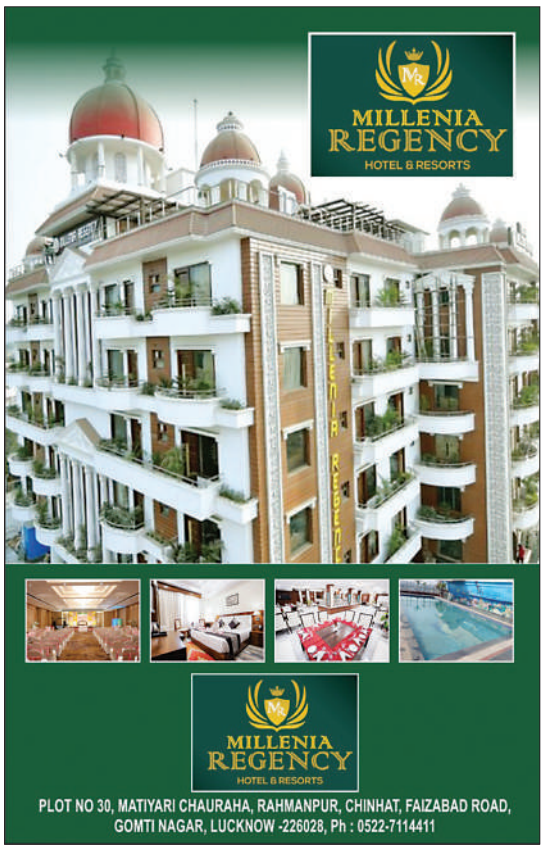

सर्दी में सियासी गर्माहट महसूस करेगी दिल्ली

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 24 दिसंबर को 107 दिनों बाद पहुंच रही है राजधानी

» राहुल की भारत जोड़ों यात्रा की राजधानी में एंट्री से राजनीतिक तापमान का बढ़ना तय

» भाजपा कोरोना के बहाने कांग्रेस को घेरने में जुटी, प्रोटोकॉल का दिया जा रहा है हवाला

परवेज त्यागी

लखनऊ। मौसम विभाग ने शुक्रवार से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के दूसरे कई राज्यों में शीतलहर के संकेत दिए हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अभी हरियाणा में है और अगले दिन वह दिल्ली में प्रवेश कर जाएगी। ऐसे में सर्द हवा के बीच देश की राजधानी का राजनीतिक तापमान बढ़ना तय है। क्योंकि भाजपा किसी ने किसी बहाने कांग्रेस की यात्रा पर वार करती रही है। केंद्र सरकार की ओर से कोरोना प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए यात्रा को बंद करने तक की बात की गई जिसके बाद कांग्रेस-भाजपा एक-दूसरे पर वार-पलटवार करती दिखीं। अब यात्रा जैसी ही दिल्ली के नजदीक आ रही है तो उस पर कोरोना के बहाने सरकारी हमले भी तेज होते जा रहे हैं। ऐसे में शीतलहर के बीच दिल्ली सियासी तपिश को महसूस करेगी।

सूत्रों के मुताबिक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड आदि राज्यों के कांग्रेस नेताओं ने राजधानी में डेरा डाल लिया है। भारत जोड़ो यात्रा को केंद्र में रखकर सभी सावधानियों पर लगातार मंत्रणा चल रही है। इसे किसी भी विवाद से दूर रखने की कोशिश की जा रही है। उधर, चीन में कोविड-19 का कहर और संसद के गलियारों से लेकर केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया का पत्र सियासी पारे को और चढ़ा रहा है। संसद में पहले से ही राजनीति का पारा चढ़ा हुआ है। कांग्रेस और भाजपा नेताओं की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ खूब वार-पलटवार हो रहा है। राहुल गांधी की यात्रा 24 दिसंबर को कन्याकुमारी से चल कर 107 दिन बाद दिल्ली पहुंच रही है। यात्रा दिल्ली से होकर यूपी और हरियाणा होते हुए पंजाब और फिर जम्मू-कश्मीर जाएगी। जैसे ही कोरोना का नाम लेकर केंद्रीय मंत्री ने भारत जोड़ो यात्रा को बंद करनी की बात की थी, उसके तुरंत बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने भाजपा को यात्रा से डरा हुआ बता दिया था। कुछ कांग्रेसी नेता तंज करते हुए भाजपा को संक्रमित तक बता रहे हैं।

राहुल सड़क और कांग्रेस संसद में दिखा रही दम

राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के साथ सड़क पर जनसैलाब लेकर दिल्ली ओर बढ़ रहे हैं, तो कांग्रेस संसद में दम दिखा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्य सभा में विपक्षी एकता के साथ चीन की तवांग में घुसपैठ पर चर्चा की मांग पुरजोर तरीके से उठाई। लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी, मनीष तिवारी,

राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने सरकार पर चर्चा को लेकर दबाव बढ़ाया। खरगे खुद अपनी देखरेख में यात्रा को सफल बनाने में लगे हैं। यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी हालात की गंभीरता और सरकार की मंशा को भांपकर पार्टी नेताओं, सांसदों से मंत्रणा के साथ ही तवांग के मुद्दे को मजबूती से उठाने का दबाव बनाया। विपक्ष के संसद परिसर में हुए प्रदर्शन में शामिल हुई और सरकार को चीन के मुद्दे पर चर्चा से भागने की बात कहते हुए घेरा।

बदलेगा इतिहास...बरकरार रहेगी सरकार!

निकाय चुनाव करीब, सियासी दलों ने शुरू की अपनी-अपनी तैयारियां

» भाजपा, सपा, बसपा व कांग्रेस के साथ ही आप में भी प्रत्याशी के नाम पर हो रहा मंथन

हयात अब्बास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव बहुत करीब हैं। निकाय चुनावों को लेकर सियासी दलों ने भी अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। नगर निकाय चुनावों को लेकर भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच सीधी टक्कर दिखाई देती आ रही है, लेकिन अब बसपा ने भी निकाय चुनाव में अपनी पकड़ को मजबूत बनाने के लिए अपनी नई रणनीति बनाई है। अगर हम लखनऊ की बात करें तो इस लिहाज से लखनऊ मेयर का चुनाव काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।

फिलहाल इस सीट पर भाजपा लगातार कब्जा जमाए हुए है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि अगर इस बार भी महिला सीट आती है,तो ऐसी संभावना है कि मेयर पद के लिए इस बार भी संयुक्ता भाटिया दावेदार रह सकती है। वहीं समाजवादी पार्टी की ओर से अभी इस पद के लिए दावेदार का नाम साफ नहीं किया गया है।

मेयर पद के लिए आरक्षण

- सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई (महिला के लिए 1 सीट)
- पिछड़ा वर्ग के लिए 4 सीटें आरक्षित की गई (महिला के लिए 2 सीट)
- महिलाओं के लिए 3 सीट रिजर्व की गई
- 8 सीटों को अनारक्षित रखा गया

आरक्षण के लिए अपनाया जाता है चक्रानुक्रम

आरक्षण लागू करने का एक तय फॉर्मूला है। इसे चक्रानुक्रम फॉर्मूला कहा जाता है। इस फॉर्मूले के तहत कोई भी सीट सबसे पहले महिला एससी के लिए आरक्षित होती है। इससे अगली बार चरणवार तरीके से एससी के लिए, फिर अगली बार ओबीसी महिला के लिए, फिर ओबीसी, फिर महिला आरक्षित और फिर इसके अगली बार यही अनारक्षित सीट होती है।

प्रदेश में हैं 200 नगर पालिका परिषद सीट

यूपी में नगर निकाय चुनाव के लिए आरक्षण जारी कर दिया गया है। प्रदेश के 17 नगर निगम में मेयर पद के लिए 2 सीटें अनुसूचित के लिए आरक्षित हुई हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश नगर निगम में 4 सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए रिजर्व हैं। वहीं पिछड़ा वर्ग के लिए दो महिला के लिए आरक्षित हैं। प्रदेश में 200 नगर पालिका परिषद की सीटें हैं. इनमें अनुसूचित जाति के लिए 27 सीटें रिजर्व की गई हैं। वहीं ओबीसी के लिए 54 सीटें आरक्षित की गई हैं।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चीन की घुसपैठ सरकार का सिरदर्द

चीन के भारतीय सीमा में काफी अंदर तक घुस आने की बात भी सामने आती रही और उसने अपने सैन्य ठिकाने बना लिए हैं। विपक्ष अब तक दोहराता है कि लद्दाख क्षेत्र की काफी जमीन चीन ने हथिया ली है और भारत सरकार उसे रोक नहीं पाई। अब अरुणाचल में चीनी सैनिकों की पैठ ने स्वाभाविक चिंता पैदा कर दी है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब चीनी सैनिकों ने तवांग इलाके में घुसपैठ की कोशिश की।

चीनी सैनिक बार-बार वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव की स्थिति पैदा कर रहे हैं। ऐसी हालत को लेकर स्वाभाविक ही भारत सरकार पर कड़ा कदम उठाने का दबाव बन रहा है। संसद में इस घटना पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सफाई दी कि भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को खदेड़ दिया और वहां कोई अप्रिय घटना नहीं होने पाई। मगर विपक्ष इस घटना को केंद्र सरकार की रणनीतिक कमजोरी के रूप में रेखांकित कर रहा है। ऐसे में चीन की भारत की सीमा में घुसपैठ सरकार का सिरदर्द बन रही है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब लद्दाख के गलवान क्षेत्र में चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों के साथ हिंसक झड़प की और हमारे कई जवान शहीद हो गए। उसके बाद करीब दो साल तक उस इलाके में तनाव बना रहा। चीन अपनी सामरिक शक्ति का प्रदर्शन करता रहा। चीन के भारतीय सीमा में काफी अंदर तक घुस आने की बात भी सामने आती रही और उसने अपने सैन्य ठिकाने बना लिए हैं। विपक्ष अब तक दोहराता है कि लद्दाख क्षेत्र की काफी जमीन चीन ने हथिया ली है और भारत सरकार उसे रोक नहीं पाई। अब अरुणाचल में चीनी सैनिकों की पैठ ने स्वाभाविक चिंता पैदा कर दी है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब चीनी सैनिकों ने तवांग इलाके में घुसपैठ की कोशिश की। करीब सोलह सालों से वहां तनाव बना हुआ है।

दरअसल, तवांग का इलाका चीन और भारत दोनों के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। उसी के दृष्टिगत चीन तवांग पर कब्जा करने की कोशिश करता है। इसलिए कि वह इलाका तिब्बत, भूटान और भारत को जोड़ता है। तवांग भारत का हिस्सा है, मगर चीन उस पर इसलिए भी कब्जा जमाना चाहता है कि वहां से वह तिब्बत पर शिकंजा कसने में कामयाब हो सकता है। फिर भारत पर सामरिक दबाव बनाए रख सकता है। इसलिए भारत हमेशा उस इलाके में सुरक्षा इंतजाम पर विशेष ध्यान देता है। ब्रिटिश हुकूमत के समय जब अरुणाचल में वास्तविक नियंत्रण रेखा का निर्धारण हो रहा था, तो चीन ने उस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किया था। वह दावा करता रहता है कि तवांग के इलाके पर उसका अधिकार है। मैकमोहन रेखा कही जाने वाली नियंत्रण रेखा को पार कर उसके सैनिक भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास करते रहे हैं। लद्दाख का तनाव खत्म करते वक्त उम्मीद जताई गई थी कि अब चीन बेवजह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सामरिक शक्ति का प्रदर्शन नहीं करेगा, मगर वह अपनी विस्तारवादी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पा रहा। ऐसे में सारी दुनिया की नजर तवांग इलाके में उसकी घुसपैठ पर लगी हुई है। इसलिए तमाम राजनीतिक दल जोर देते हैं कि भारत को एक बार कड़ा कदम उठा कर चीन को रोकने का प्रयास करना चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अध्यापकों को भी मिले ग्रेच्युटी की रकम

रजनीश कपूर

किसी भी कंपनी या प्रतिष्ठान में लंबे समय तक काम करने वाले व्यक्ति को सेवानिवृत होने पर पेंशन, प्रोविडेंट फंड के अलावा ग्रेच्युटी की रकम भी मिलती है। ग्रेच्युटी किसी कर्मचारी को कंपनी की ओर से मिलने वाला इनाम होता है। अगर कर्मचारी नौकरी की कुछ शर्तों को पूरा करता है तो ग्रेच्युटी का भुगतान एक निर्धारित फॉर्मूले के तहत निश्चित तौर पर दिया जाता है। अगस्त 2022 तक सभी निजी स्कूल के अध्यापकों को इस सुविधा का लाभ नहीं मिलता था। हाल ही में देश के सर्वोच्च न्यायालय ने कई सालों से लंबित पड़े इस मामले में निजी स्कूल के अध्यापकों के हित में एक अहम फैसला दिया है। जो अध्यापकों के पक्ष में है।

याचिकाकर्ता ने अदालत से स्पष्ट करने की अपील की थी कि 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' की धारा 2 के तहत निजी स्कूल के अध्यापकों को कर्मचारी माना जाए या नहीं? 29 अगस्त 2022 को सर्वोच्च न्यायालय की एक खण्डपीठ ने अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए इन अध्यापकों को भी कर्मचारी की श्रेणी में माना। सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की पीठ द्वारा दिये गये इस फैसले ने सभी शैक्षिक संस्थाओं को अब अध्यापकों को ग्रेच्युटी की रकम देने के लिए बाध्य कर दिया है। कोर्ट की खंडपीठ ने ऐसी सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया जिनमें शिक्षकों को ग्रेच्युटी न देने की पैरवी की गई थी। फैसले के मुताबिक जो भी शिक्षक 1997 के बाद सेवानिवृत हुए हैं उनके संबंधित स्कूलों को भी उन्हें ग्रेच्युटी देनी होगी। इस फैसले से देश के लाखों शिक्षकों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा। कर्मचारी को मिलने वाली ग्रेच्युटी की रकम नियोक्ता कंपनी की तरफ से दी जाती है। मौजूदा व्यवस्था के अनुसार यदि कोई कर्मचारी किसी कंपनी या संस्थान में कम से कम 5 साल तक काम करता है तो वह ग्रेच्युटी का हकदार होता है। पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत इसका लाभ उस संस्थान के हर कर्मचारी को मिलता है जहां 10 से ज्यादा लोग काम करते हैं। यदि कोई कर्मचारी नौकरी छोड़ता है या रिटायर हो जाता है, परंतु वह ग्रेच्युटी के नियमों को पूरा कर लेता है तो वह ग्रेच्युटी के लाभ का हकदार होता है। अभी तक सभी निजी स्कूल के अध्यापकों को इसका लाभ नहीं मिल रहा था।

लेकिन इस फैसले के बाद वे सभी लाभान्वित हो जाएंगे। परंतु सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बावजूद कुछ स्कूल इसका पालन नहीं कर रहे थे। ताजा मामला दिल्ली के एक निजी

स्कूल में काम कर रही अध्यापिका का है। इस महिला अध्यापक ने अपने जीवन के 27 साल दिल्ली के इस निजी स्कूल को दिये। मई 2021 में उनके रिटायर होने पर स्कूल प्रशासन ने इन्हें ग्रेच्युटी देने से मना कर दिया। रिटायर होने के एक डेढ़ साल बाद तक वे अपने ग्रेच्युटी के लिए स्कूल को बार-बार लिखती रहीं पर उनके हाथ निराशा ही लगी। अखिरकार इस महिला ने अदालत का रुख किया और दिल्ली उच्च न्यायालय में न्याय की गुहार लगाई। इनके हक की लड़ाई के लिये दिल्ली की 'राधे कृष्णा लीगल एड फाउंडेशन' ने इस मामले को नि:शुल्क लड़ने का निर्णय लिया। संस्था के प्रमुख ट्रस्टी अजय गर्ग एडवोकेट के अनुसार स्कूल में इतने लंबे समय तक कार्य करने पर, इस अध्यापिका की ग्रेच्युटी की रकम लगभग दस लाख से अधिक बनती थी। शायद इसीलिए दिल्ली का यह निजी स्कूल इस रकम को देने से बच रहा था। स्कूल और दिल्ली के शिक्षा विभाग को कानूनी नोटिस भेजे जाने पर भी जब कोई उत्तर नहीं आया तो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई। याचिका में स्कूल द्वारा अध्यापिका को ग्रेच्युटी की रकम ब्याज सहित देने व स्कूल पर कानून का पालन न करने की उचित कानूनी कार्यवाही की मांग की गई। स्कूल प्रशासन ने 11 नवम्बर 2022 को, मामले की सुनवाई की पहली तारीख पर ही ग्रेच्युटी देने की मांग को स्वीकार लिया और मामला रद्द करने की अपील की। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट कर दिया कि यदि स्कूल द्वारा दी गई राशि से याचिकाकर्ता संतुष्ट नहीं हों तो दिल्ली सरकार का शिक्षा विभाग इस बात को सुनिश्चित करे कि ग्रेच्युटी की सही रकम याचिकाकर्ता को दी जाए। यदि इसके बाद भी अध्यापिका को कोई शिकायत हो तो वे अदालत का दरवाजा खटखटा सकती हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद पीड़ित अध्यापिका को उनकी ग्रेच्युटी की रकम ब्याज सहित प्राप्त हुई। ऐसे महत्वपूर्ण मामलों पर देश की विभिन्न अदालतों द्वारा दिये गये फैसलों को, सोशल मीडिया के माध्यम से, सरल भाषा में आम जनता तक पहुंचाने का काम देश भर में न्यायिक मामलों में कार्य करने वाली सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी किया जा सकता है। ऐसी स्वयं सेवी संस्थाएं पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम कम खर्चे पर या नि:शुल्क करती हैं, जिससे पीड़ित को कोर्ट जाने में कोई हिचक नहीं होती।

फुटबॉल विश्वकप के बदलते रूप

वर्ष 2018 में रूस में आयोजित हुए विश्वकप में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) तकनीक का पहली बार उपयोग किया गया था, जिसे इस बार और भी अच्छे ढंग से अपनाया गया। उसके कारण हमें पारदर्शी और प्रभावी खेल देखने का अवसर मिला।

अनादि बरुआ

इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती है कि कतर में आयोजित फीफा फुटबॉल विश्वकप पिछले आयोजनों से कई अर्थों में अलग रहा है। खेल के तेजी इस बार देखने लायक थी। इसका नतीजा यह हुआ कि मैच के एकदम शुरू में ही हमें गोल देखने को मिले। दूसरी उल्लेखनीय बात यह हुई कि एशिया महादेश की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। आम तौर पर यह बात कही जाती रही है कि उच्च श्रेणी का फुटबॉल तो यूरोप और लैटिन अमेरिका में ही होता है, पर इस बार जापान, दक्षिण कोरिया, सऊदी अरब और ईरान के खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया और अनेक मैचों में ये टीमें अपने प्रतिद्वंद्वियों पर भारी पड़ीं। यह फुटबॉल आयोजन बहुत अधिक गोलों के लिए भी याद किया जायेगा। इस बार कुल 172 गोल हुए हैं। फाइनल मैच में जितने फील्ड गोल हुए इस बार, उतने गोल किसी और विश्वकप फाइनल में नहीं हुए।

यह आयोजन तकनीक के इस्तेमाल के लिए भी याद किया जाना चाहिए। वर्ष 2018 में रूस में आयोजित हुए विश्वकप में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) तकनीक का पहली बार उपयोग किया गया था, जिसे इस बार और भी अच्छे ढंग से अपनाया गया। उसके कारण हमें पारदर्शी और प्रभावी खेल देखने का अवसर मिला। सभी को याद होगा कि 1986 में मैक्सिको में हुए विश्वकप में प्रसिद्ध खिलाड़ी माराडोना ने हाथ से गोल कर दिया था। उस समय उसे रेफरी ने मान लिया और अर्जेंटीना की जीत हुई। जब वीडियो रिप्ले से पता चला कि गोल तो हाथ से हुआ था, तो इस पर माराडोना ने कहा था कि वह हैंड ऑफ गॉड था। फुटबॉल ऐसा खेल है, जिसके विश्वकप के लिए खिलाड़ी चार साल तक तैयारी करते हैं। बहुत सारे खिलाड़ी टीम का हिस्सा बनने के लिए आते हैं, पर कुछ ही का अंतिम रूप से चयन हो पाता है। यह टीम तीन साल तक क्वालिफाईंग मैचों में तथा अन्य मैचों में खेलती है। जैसे एशिया में 56 देश हैं, तो उनमें से विश्वकप जाने वाली टीमों को तय करने की प्रक्रिया तीन साल चलती है।

इस विश्वकप के कुछ समय बाद ही क्वालीफाईंग मैचों का सिलसिला शुरू हो जायेगा। इस तरह की मेहनत और कोशिश बेकार नहीं हो, इसलिए वीएआर सिस्टम लाया गया है। तकनीक का प्रयोग अच्छी बात है। इसमें थोड़ा समय तो लगता है और इसीलिए हमने लगभग हर मैच में अतिरिक्त समय का खेल देखा, लेकिन इससे खेल में पारदर्शिता और धार बढ़ी है। ऊपर हम लोगों ने संक्षेप में एशियाई टीमों के शानदार प्रदर्शन का उल्लेख किया है, पर हमें अफ्रीकी टीमों के खेल पर अधिक विस्तार से बात करनी चाहिए। अफ्रीकी टीम बॉडी कांटैक्ट की शैली से खेलती हैं। मोरक्को, घाना या सेनेगल की टीमों के खेल को देखें, तो साफ होता है कि वे रफ एंडएं टफ स्टाइल में खेलते हैं, लेकिन इस बार मोरक्को ने दिखाया दिया कि उनके पास उत्कृष्ट कौशल भी है।

इस टीम ने राउंड मैचों में केवल एक गोल खाया, जो सेल्फ गोल था। सेमीफाइनल में भलेवह हार गयी, लेकिन उसमें भी टीम का खेल किसी भी दृष्टिकोण से कमतर नहीं था। यह मैं ही नहीं, बल्कि बहुत सारे फुटबॉल प्रशंसक मानते हैं कि अफ्रीकी फुटबॉल का यह शुरुआती दौर ही है और आगामी वर्षों में उनकी धार बहुत तेज होगी। अनेक विश्लेषक तो यह भी कह रहे हैं कि जल्दी ही हम किसी अफ्रीकी टीम को विश्व विजेता के रूप में देखा सकते हैं। कतर में कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया था, लेकिन अमेरिका, कनाडा और मैक्सि को में संयुक्त रूप से होने वाले 2026 के विश्वकप में टीमों की संख्या 48 होगी। बढ़ी हुई संख्या में एशिया और अफ्रीका की और टीमें शामिल होंगी। इससे आयोजन का रोमांच बहुत अधिक बढ़ जायेगा। भारत में इस बार के विश्वकप तथा बड़े खिलाड़ियों को लेकर उत्साह कुछ अधिक ही देखा गया है। यह अच्छी बात है और मुझे उम्मीद है कि इससे हमारे बच्चों में फुटबॉल को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।

इतने बड़े देश में अगर हम एक अच्छी टीम नहीं बना पा रहे हैं, तो हमें विचार करना होगा। अगर आप खेलों में समृद्ध देशों को देखें, तो वहां पांच साल से कम आयु से ही बच्चों को फुटबॉल प्रशिक्षण से जोड़ दिया जाता है, पर हमारे यहां आम तौर पर यह दस साल की आयु से शुरू होता है। इससे बुनियादी चीजें सीखने में कमी रह जाती है। हमें अपने देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बहुत कुछ करना होगा। मैं ब्राजील में प्रशिक्षित हुआ हूं। वहां मैंने देखा है कि रात में भी समुद्र किनारे लड़के-लड़कियां फुटबॉल खेल रहे थे। उनके यहां टीवी पर स्पोर्ट्स के कार्यक्रम चलते हैं, विशेष चैनल भी हैं। यूरोपीय क्लबों में लगभग 70 प्रतिशत खिलाड़ी लैटिन अमेरिकी देशों से जाते हैं। अफ्रीका से भी खिलाड़ी जाने लगे हैं। इससे उन्हें नाम तो मिलता ही है, बहुत कमाई भी होती है। एक तरह से यह रोजगार भी है। अगर हम घर और स्कूल में बच्चों को प्रोत्साहित करें और सुविधाएं दें, तो तस्वीर बदल सकती है।

दिल को स्वस्थ रखने में सहायक है मूंगफली

मूंगफली को टाइमपास स्नैक्स कहा जाता है। सर्दियों के मौसम लोग मूंगफली खाना खूब पसंद करते हैं। यह स्वाद के साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इसे 'गरीबो' का 'बादाम' भी कहा जाता है। मूंगफली में वो सभी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए जरूरी हैं। इसमें आयरन, कैल्शियम, विटामिन-ई, जिंक पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसके सेवन से आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। मूंगफली में मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड पाए जाते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करती है और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाती है। अगर आप नियमित रूप से मूंगफली खाते हैं, तो दिल की बीमारी से बच सकते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने मूंगफली को दिल के स्वास्थ्य के लिए प्रमाणित किया है। मूंगफली कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके दिल के रोगों को रोकने में मदद करती है। यह रक्त के छोटे थक्कों को भी बनने से रोकती है, जिससे दिल का दौरा या स्ट्रोक होने का जोखिम कम हो जाता हैं।

मस्तिष्क-वजन में मिलती है राहत

● सर्दी-जुकाम से राहत दिलाए

मूंगफली सर्दी-जुकाम से राहत दिलाने में कारगर है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखती है। इसके रोजाना सेवन से फेफड़ों को मजबूती मिलती है। इस मौसम में सर्दी-खांसी, जुकाम से बचना चाहते हैं, तो नियमित रूप से मूंगफली खा सकते हैं।

● मस्तिष्क के लिए भी है अच्छी

लोमा लिंडा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि जो लोग नियमित रूप से मूंगफली खाते हैं, उनके मस्तिष्क की याद करने की, हील करने की और अन्य चीज़ों से जुड़ी दिमागी फीक्रेंसी मजबूत होती है। देखा गया है कि मूंगफली में पाया जाने वाला बायोएक्टिव, मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को 30 प्रतिशत से ज्यादा बेहतर बनाता है। मूंगफली में मौजूद बायोएक्टिव्स छोटी धमनियों की इलास्टिसिटी और सरेबरोवस्क्युलर रिएक्टिविटी में सुधार करता है।

● वजन कम करने में सहायक

मूंगफली में फाइबर और प्रोटीन भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। ये भूख को कम करने में मदद करते हैं, जिससे वजन कम करने में सहायता मिल सकती है। अगर आप वजन कम करना चाहती हैं और यह भी चाहती हैं कि आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी न हो, तो मूंगफली आपके लिए अच्छा विकल्प है। पीनट इंस्टीट्यूट की एक रिसर्च में बताया गया है कि उचित मात्रा में मूंगफली खाने से मोटापे का खतरा कम होता है और साथ ही लंबे समय तक आपका पेट भरा रहता है।

● ब्लड शुगर के लिए लाभदायक

मूंगफली में मैंगनीज, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके सेवन से ब्लड शुगर का स्तर कंट्रोल में रहता है। अगर आपको डायबिटीज की समस्या है, तो मूंगफली का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

● कैंसर का जोखिम कम करती है

एक्सपर्ट के अनुसार, मूंगफली खाने से कई तरह के कैंसर से बचा जा सकता है। इसमें पॉलीफेनोलिक एंटी ऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है, जो कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक है।

● त्वचा के लिए फायदेमंद

मूंगफली में मौजूद फैटी एसिड त्वचा रोगों से बचाने में मदद करता है। इसमें फाइबर भी पाया जाता है, जो शरीर के विषाक्त पदार्थ को बाहर निकालने में सहायक है। इसमें विटामिन-बी3 और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जो झुर्रियों की समस्या को रोकते है। साथ ही ये हमारी त्वचा को कई बीमारियों से भी बचाती है।

● प्रोटीन की है बेहतरीन स्रोत

एक शोध के अनुसार 100 ग्राम मूंगफली में लगभग 25.8 ग्राम प्रोटीन होता है। यूनाइटेड स्टेट्स नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसीन के एक जर्नल के मुताबिक मूंगफली के अंदर अनसैचुरेटेड फैट्स और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट मौजूद होते हैं। इसी वजह से यह हमारे लिए पोषण से भरपूर होती है। खास करके शाकाहारी लोगों के लिए मूंगफली को प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत माना जाता है।

● आपको देती हैं इंस्टेंट एनर्जी

यूनाइटेड स्टेट्स नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसीन की पीनट जर्नल के मुताबिक थोड़ी मात्रा में मूंगफली खाने से भी उच्च ऊर्जा का स्तर प्राप्त होता है। असल में मूंगफली के अंदर अच्छे फैट्स मौजूद होते हैं, जिस वजह से यह ऊर्जा से भरपूर होती है। इसी वजह से इसे सुपरफूड भी कहा जाता है।

हंसना मना है

गोलू: रात भर मुझे नींद नहीं आई। मोलू- क्यों? गोलू- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं।

एक लड़की का फोन टॉयलेट में गिर गया। टॉयलेट से जिन्न प्रकट हुआ.. जिन्न ने लड़की को गोल्ड का फोन दिया और कहा ये लो तुम्हारा फोन, लड़की ने 'कुल्हाड़ वाली कहानी सुन रखी थी। इसलिए ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा: ये सोने का फोन मेरा नहीं है। जिन्न: पगली रुलाएगी क्या ? धो के देख तेरा ही है।

राजू पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था, ग्राहक: अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू: तो आपके पूरे पैसे वापिस।

पति: तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं। और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं, पत्नी: तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है ऐसी जिंदगी पर।

मां: बेटा क्या कर रहे हो? बेटा: पढ़ रहा हु मां.. मां: शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा: आपकी होने वाली बहु के एसएमएस। दे थप्पड़, दे थप्पड़!

उसने मुझसे पूछा चाहोगे मुझे कब तक, मैंने भी मुस्कुराके कह दिया, मेरी बीवी। को न पता चले तब तक।

कहानी | लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ। **कहानी से सीख:** इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

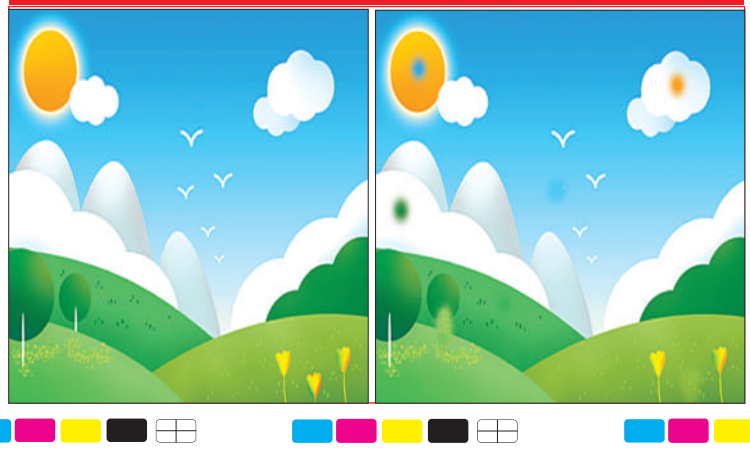

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपके लिए आज का दिन मध्यम रहेगा। दांपत्य जीवन में तनाव बना रहेगा और जीवन साथी किसी बात को लेकर आप से नाराज हो सकता है।

वृषभ

आज आपको अपने परिवार के लोगो की तरफ से कोई उपहार मिल सकता हैं। आज मित्रों के साथ कुछ समय बिताएंगे और नई योजनाओं को लेकर उत्साहित रहेंगे।

मिथुन

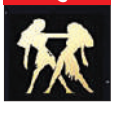

आज जीवनसाथी के साथ आपको बातचीत में थोड़ी नरमी बरतनी चाहिए। धैर्य रखने पर आपके रिश्ते मधुर होंगे। नियमित योग करने से आपका स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहेगा।

कर्क

आपके लिए आज के दिन अनुकूल रहेगा। आपके शादीशुदा जीवन में खुशियां रहेंगी और जीवन साथी और आपके बीच प्रेम और आकर्षण की बढ़ोतरी होगी।

सिंह

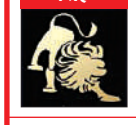

वित्तीय स्थिति में सुधार होगा और निवेश योजनाओं पर भी विचार किया जाएगा। किसी दूसरे स्थान पर जाना हो सकता है। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

कन्या

आज आपका दिन शानदार रहेगा। कोई दोस्त आपसे घर पर मिलने आ सकता है। साथ में कोई मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं। आपके अधूरे काम पूरे हो जायेंगे।

तुला

आपके लिए आज का दिन भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आज आप बेवजह के कामों में व्यस्त रहेंगे, जिससे दिन कब बीतेगा, यह तो आपको पता नहीं चलेगा।

वृश्चिक

आज संबंधियों से सहायता प्राप्त होगी। बेरोजगारों को रोजगार के साधन मिलेंगे। गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कामों की ओर आपका रुझान बढ़ सकता है।

धनु

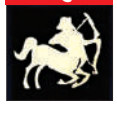

आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार वालों के साथ धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जायेंगे। आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

मकर

आज का दिन आपके लिए मध्यम रहेगा। आप यदि व्यापार करते हैं तो आपको उसमें सफलता मिलेगी और नौकरी करने वालों को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत पड़ेगी।

कुम्भ

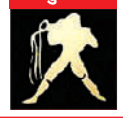

आज काफी उत्साहित नजर आएंगे। काम से संबंधित यात्रा हो सकती है। जिससे आपके लिए नए रास्ते खुलेंगे। दोस्तों और संबंधियों से संबंध मजबूत बनेंगे।

मीन

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा ले सकते हैं। ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसमें आप अपनी मेहनत से सफल भी हो सकते हैं।

अभिषेक की सफलता पर खुशी से झूम उठे बच्चन

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड अभिनेता और अमिताभ बच्चन के लाडले बेटे अभिषेक बच्चन के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है। हाल ही में फिल्म फेयर ओटीटी अवॉर्ड्स का एलान किया गया। इसमें अभिषेक बच्चन की फिल्म दसवीं को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड मिला है। वहीं अभिषेक बच्चन के खाते में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड आया है। बेटे की इस सफलता पर अमिताभ बच्चन की खुशी का ठिकाना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी खुशी का इजहार किया है और साथ ही बेटे की पीठ भी थपथपाई है। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने ट्वीट करके अभिषेक को बधाई दी है। बिग बी ने एक ट्वीट शेयर कर लिखा, सबसे डिजर्विंग अवॉर्ड... शाबाश भैयू... आप बेस्ट थे और हमेशा रहेंगे। आपने ईमानदारी से खुद को साबित किया है। आगे भी इसे जारी रखना। आपका मजाक उड़ाया जा सकता है, लेकिन आपको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके अलावा बिग बी ने एक और ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने लिखा, मेरे गौरव, मेरी खुशी...आपने अपना पॉइंट साबित कर दिया है। आपका खूब मजाक बनाया गया, लेकिन आपने धैर्य और संयम से सबका दिल जीता। आप सबसे अच्छे हैं और हमेशा रहेंगे। अपने इन ट्वीट्स के जरिए बिग बी ने न सिर्फ अभिषेक बच्चन की तारीफ की है, बल्कि साथ ही उन्होंने उन लोगों को भी करारा जवाब दे दिया है, जो अभिषेक बच्चन को ट्रोल करते हैं। बता दें कि दसवीं इसी साल 7 अप्रैल को नेटफ्लिक्स और जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है। दसवीं की कहानी एक काल्पनिक प्रदेश के पूर्व सीएम से प्रेरित है, जो घोटाले के आरोप में जेल जाता है और वहीं से दसवीं पास करने की जिद ठान लेता है। उसकी प्रेरणा कड़क जेलर बनती है। जेलर का किरदार यामी गौतम ने निभाया है।

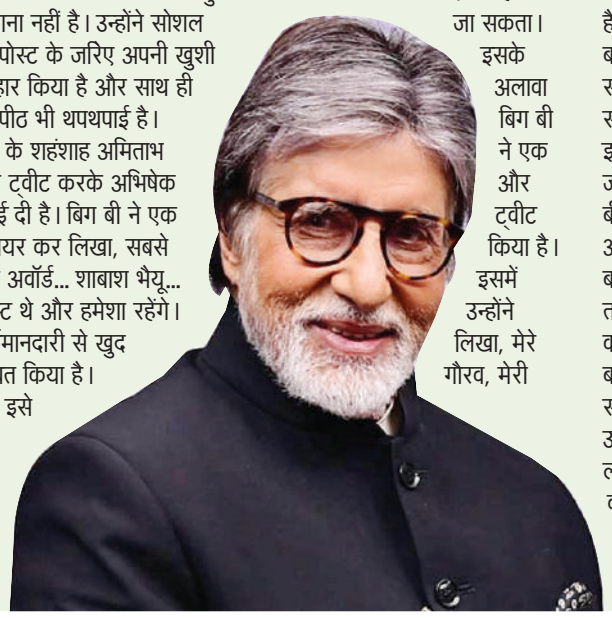

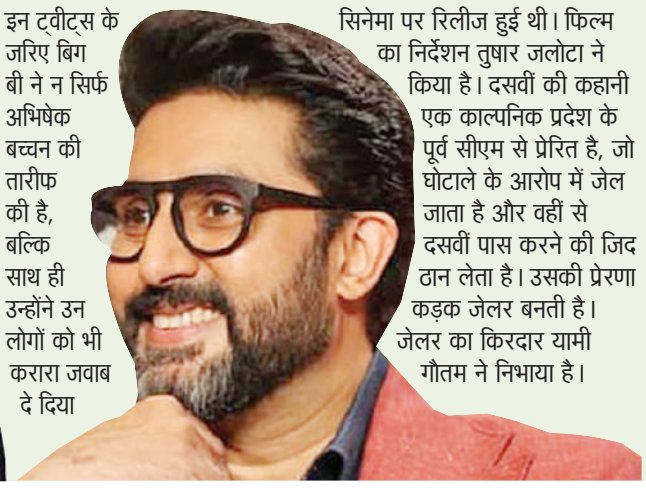

तीन दशक बाद पर्दे पर साथ नजर आएंगे धर्मेंद्र-डिंपल कपाड़िया

बॉलीवुड के हीमैन धर्मेंद्र एक बार फिर फिल्मों में सक्रिय हो रहे हैं। एक्टर पहले ही अभिनेता श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस में अगस्त्य नंदा के साथ की प्रेम कहानी में नजर आने वाले हैं। वहीं अब खबर है कि धर्मेंद्र शाहिद कपूर की फिल्म में काम करेंगे, लेकिन इससे भी ज्यादा खास यह है कि धर्मेंद्र के साथ उनकी पुरानी को स्टार अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया नजर आएंगी। एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम करने वाले बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया कई फिल्मों में

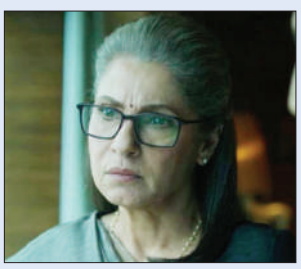

स्क्रीन स्पेस साझा करते दिखे हैं। दर्शक इन दोनों की जोड़ी को खूब सराहा भी हैं, वहीं खबरों के अनुसार अब तीन दशक से भी अधिक समय के बाद, यह जोड़ी पर्दे पर फिर से जादू बिखेरने को तैयार है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म में साथ काम करने वाले हैं। मल्टी स्टारर इस फिल्म में धर्मेंद्र और डिंपल के साथ शाहिद कपूर और कृति सेनन भी नजर आएंगी। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इस फिल्म की कहानी कथित तौर पर एक रोबोट थीम पर आधारित होगी। फिल्म रोमांटिक कॉमेडी होगी। फिल्म की शूटिंग राजस्थान में हो चुकी है।

फिल्म की टीम ने 15 दिसंबर को जैसलमेर के एक महलनुमा हेरिटेज होटल में फिल्म के पहले शेड्यूल का काम शुरू कर दिया है। 22 दिसंबर यानी आज शेड्यूल पूरा हो जाएगा। इसके बाद, टीम दूसरे शेड्यूल की शूटिंग के लिए देश के उत्तरी हिस्से में रवाना होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कृति सेनन फिल्म में पहली बार एक रोबोट की भूमिका निभाएंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

3 इडियट्स ने बॉलीवुड में करियर बनाने को किया प्रेरित : कियारा

कियारा आडवाणी ने खुलासा किया है कि यह निर्माता राजकुमार हिरानी की फिल्म 3 इडियट्स थी, जिसने उनके माता-पिता को उन्हें हिंदी सिनेमा में अपना करियर बनाने के लिए राजी किया था। द कपिल शर्मा शो के अपकमिंग विशेष एपिसोड गोविंदा नाम मेरा, जिसमें विक्की कौशल, कियारा आडवाणी, रेणुका सहाणे, विराज घेलानी और निर्देशक शशांक खेतान शामिल होंगे, कियारा इस बात का खुलासा करेंगी कि वह इंडस्ट्री में कैसे आईं। अभिनेत्री इसमें साझा करेंगी, माता-पिता के लिए अपने बच्चों के बारे में चिंता करना बहुत स्वाभाविक है जो फिल्म उद्योग में अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं। यह देखते हुए कि वे उद्योग से नहीं हैं, वे मेरे लिए डरे हुए थे और मेरी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। वे चाहते थे कि मैं इस प्रोफेशन के अलावा कुछ और ट्राई करूं। लेकिन वे हमेशा से जानते थे कि अभिनय एक ऐसी चीज है जिसे मैं वास्तव में अपने जीवन में करना चाहती हूं। मुझे याद है मैं स्कूल में थी जब पापा और मैं 3 इडियट्स देखने गए थे और आप जानते हैं कि कहा जाता है कि फिल्में सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं होतीं बल्कि जो संदेश देती हैं वह लोगों के जीवन को छू सकती हैं। और 3 इडियट्स ने मेरे पिता पर जादू की तरह काम किया और वह इस यात्रा में मेरा साथ देने के लिए तैयार हो गए। मैं वास्तव में राजू सर को इतनी शानदार फिल्म बनाने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। द कपिल शर्मा शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

सुबह कन्या तो शाम को बूढ़ी औरत के रूप में बदल जाती है माता की मूर्ति

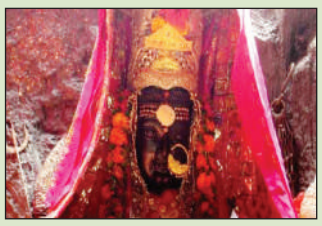

भारत में अनेकों ऐसे मंदिर हैं, जहां चमत्कार देखने को मिलते हैं। कई मंदिरों के रहस्य तो आज तक कोई नहीं सुलझा पाया है। हमारे देश में देवी मां के भी ऐसे अनेक रहस्यमयी मंदिर हैं। इन मंदिरों में भक्तों को माता के साक्षात चमत्कार देखने को मिलते हैं। माता रानी का एक ऐसा ही चमत्कारीक मंदिर उत्तराखंड के श्रीनगर में भी है। यह मंदिर मां धारी का है। मां धारी को पहाड़ों और तीर्थयात्रियों की रक्षक देवी माना जाता है। माता के इस अद्भुत मंदिर में भक्तों को रोजाना चमत्कार देखने को मिलते हैं। मां धारी का यह चमत्कारी मंदिर उत्तराखंड के श्रीनगर से 14 किलोमीटर की दूर स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार यहां हर दिन चमत्कार देखने को मिलता है। यहां मां धारी की मूर्ति दिन में तीन बार अपना रूप बदलती है। यहां सुबह के समय मां की मूर्ति एक कन्या की तरह दिखती है तो दोपहर को युवती में बदल जाती है। वहीं शाम होते ही माता की यह मूर्ति एक बूढ़ी महिला के रूप में बदल जाती है। भक्त भी मां के इस चमत्कार को देखकर हैरान रह जाते हैं। यह नजारा वाकई हैरान कर देने वाला होता है। मां धारी के इस चमत्कारी मंदिर के बारे में स्थानीय लोगों के बीच एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक बार बाढ़ में माता का मंदिर बह गया था। मंदिर के साथ माता की मूर्ति भी बहकर आगे धारो गांव के पास एक चट्टान के पास रुक गई। कहते हैं कि उस मूर्ति से एक ईश्वरीय आवाज निकली, जिसने गांव वालों को उसी जगह पर मूर्ति स्थापित करने का निर्देश दिया। इसके बाद गांव वालों ने मां का आदेश मानकर वहां माता का मंदिर बना दिया। वहीं एक और कथा मां धारी के बारे में प्रचलित है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 2013 में माता के इस मंदिर को तोड़ दिया गया था और मां की मूर्ति को मूल स्थान से हटा दिया गया था। लोगों का कहना है कि इसी वजह से उस साल उत्तराखंड में भयानक बाढ़ आ गई थी। उस बाढ़ में हजारों लोग मारे गए थे। कहा जाता है कि धारा देवी की प्रतिमा को 16 जून, 2013 की शाम को हटाया गया था और उसके कुछ ही घंटों बाद राज्य में आपदा आई थी। इसके बाद में उसी जगह पर फिर से मंदिर का निर्माण कराया गया।

अजब-गजब | पुलिस का नाम सुनकर ही कांपने लगते हैं लोग

ब्राजील की पुलिस को माना जाता है दुनिया का सबसे क्रूर बल

लोगों की सुरक्षा के लिए हर देश में पुलिस फोर्स होता है, लेकिन शायद ही कोई ऐसा देश होगा जहां के नागरिक अपने देश की ही पुलिस पर भरोसा करते हों। हालांकि सरकारें लोगों को विश्वास दिलाने के लिए गली-मोहल्लों में स्लोगन लगवाती हैं कि पुलिस जनता की मदद करने के लिए है और अपराधियों के लिए दुश्मन। बावजूद इसके लोगों को पुलिस पर पूरी तरह से भरोसा नहीं हो पाता।

क्योंकि ज्यादा तक देशों की पुलिस लोगों की सहायता करने के बजाय उनसे सख्ती से पेश आती है। और लोगों पर अपनी क्रूरता दिखाती है। आज हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही देशों की पुलिस के बारे में बताएंगे। जिसे सबसे क्रूर, बेरहम, भ्रष्ट और खतरनाक माना जाता है ये पुलिस फोर्स अपनी बर्बरता के लिए इतनी बदनाम है कि आम लोग उनका नाम सुनिते ही खौफ से थर-थर कांपने लगते हैं।

अफगानिस्तान

अफगानिस्तान की पुलिस भी बर्बरता के मामले में किसी से कम नहीं है। पिछले 10 सालों से

अफगानिस्तान की पुलिस अपनी बर्बरता के लिए जानी जाती रही है, क्योंकि ये देश ही काफी सालों से अस्थिरता का शिकार हो रहा है। यहां की पुलिस केवल शक के आधार पर आम नागरिकों को मौत के घाट उतार देती हैं।

सोमालिया

सोमालिया की पुलिस दुनिया की सबसे बदनाम और भ्रष्ट पुलिस फोर्स में गिनी जाती है। सोमालिया की पुलिस आम लोगों को टॉर्चर और परेशान करने के मामले में दुनिया में नंबर एक है। क्रूरता के मामले में भी यहां की पुलिस दुनिया की पुलिस में अव्वल है।

दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका की पुलिस भी क्रूरता के मामले में जानी जाती है। अफ्रीका में साल 2015 में पुलिस कस्टडी में 244 लोगों की मौत हुई। जबकि यहां की पुलिस पर करीब 124 रेप केस के आरोप हैं। आंकड़ों के मुताबिक एक साल में पुलिस की क्रूरता के कारण इन आंकड़ों में लगातार इजाफा हो रहा है।

ब्राजील

ब्राजील की पुलिस की गिनती भी दुनिया की सबसे क्रूर पुलिस फोर्स में की जाती है। यहां की पुलिस क्रूरता के मामले में अमेरिका की पुलिस के जितना ही है। एमिस्टी के मुताबिक साल 2008 से 2013 के बीच में ब्राजील पुलिस ने करीब 11 हजार आम नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया। बताया जाता है कि ब्राजील पुलिस शूट पहले करती और सवाल बाद में पूछती है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां की पुलिस कितनी क्रूर है।

उत्तर भारत में क्रिसमस पर छूटेगी कंपकंपी

दिल्ली का न्यूनतम तापमान तीन डिग्री तक आने का अनुमान, धुंध भी सताएगी, उत्तराखंड हिमाचल में बारिश की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में बिहार, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में रात और सुबह के समय बहुत घना कोहरा छाने की संभावना है। इन राज्यों में न्यूनतम तापमान चार से तीन डिग्री तक जाने की अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग का देश के कुछ हिस्सों में शीत लहर की स्थिति और बारिश के बीच अन्य हिस्सों के साथ-साथ मध्य भारत और महाराष्ट्र के तापमान में भी 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान है।

उधर, मौसम विभाग ने कड़ाके की ठंड के बीच कई राज्यों में बारिश होने के आसार बताए हैं। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल

प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ों पर हिमपात के साथ-साथ आज से बारिश की संभावना है। हिमालयी इलाकों में तो तापमान गिरकर माइनस में चला गया है। कई जगहों पर लोगों को पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है क्योंकि पानी बर्फ बन गया है। इन राज्यों के अलावा केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग की माने को अगले पांच दिनों तक हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तरी राजस्थान में शीतलहर का असर देखने को मिल सकता है। सुबह के समय हवा की रफ्तार भी तेज होगी। ऐसे में क्रिसमस पर ठंड कंपकंपी छुड़ाएगी। क्रिसमस पर घना कोहरा देखने को मिल सकता है। जिससे दिन का पारा गिरेगा, इससे लोगों को कंपकंपाती ठंड और ठिठुरन का अहसास होगा।

दिल्ली का अधिकतम तापमान भी गिरा

दिल्ली में सुबह सात बजे तापमान गिरकर 7 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं आज अधिकतम तापमान 19 डिग्री तक रह सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में जिस तरह से तापमान में गिरावट हो रही है उससे साफ लग रहा है कि आने वाले दिन मुश्किल भरे होंगे। गहरी धुंध पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

चौ. चरण सिंह को भारत रत्न देने की रालोद ने उठाई मांग

» रालोद के टीम संयोजक अनुपम मिश्रा ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के संबंध में राष्ट्रीय लोक दल ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। इस बाबत राष्ट्रीय लोक दल के टीम संयोजक अनुपम मिश्रा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह न केवल एक ईमानदार,सत्यनिष्ठ व कर्तव्यनिष्ठ प्रधानमंत्री थे बल्कि वह विश्व के एक मात्र ऐसे राजनेता भी हैं जिन्हें 'किसान मसीहा' कहलाने का गौरव प्राप्त है, और उन्हें यह गौरव इस देश की जनता द्वारा प्रदान किया गया।

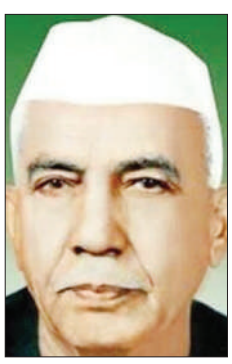

पत्र में कहा गया है कि उन्होंने जीवन पर्यंत किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना तथा गरीब, असहाय, शोषित और वंचित समाज की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया और अपना संपूर्ण जीवन भारतीयता और ग्रामीण परिवेश की मर्यादा में ही जिया।

अनुपम मिश्रा ने पत्र के माध्यम से माँग की कि धरती पुत्र चौधरी चरण सिंह को उनकी जयंती के अवसर पर जब सारा देश 'किसान दिवस' के रूप में मनाए तब उन्हें भारत रत्न दिए जाने की घोषणा प्रधानमंत्री स्वयं करें।.अनुपम मिश्रा ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि आप देश की सवा सौ करोड़ जनता की भावना को समझेंगे और यह पुण्य अर्जित करने वाले देश के प्रथम प्रधानमंत्री होने का गौरव प्राप्त करेंगे।

झूलेलाल पार्क के गार्ड रूम में लगी भीषण आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमती तट किनारे झूले लाल पार्क में बने गार्ड रूम में आज तड़के आग लग गई। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धार कर कर लिया। चौक और हजरतगंज फायर स्टेशन से कर्मी पहुंचे। उन्होंने घंटे भर की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। चंद कदम दूर मेला स्थल था। जहां, सैकड़ों दुकानें और लोग थे। आग अगर वहां तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा होता।

कड़ाके की ठंड में गार्ड रूम के बाहर जल रहे अलाव से कुछ लोग और वृद्धा आग ताप रही थीं। तड़के वह सब लोग चले गए। इस बीच पास में भूविसर्जन के लिए ढेर में मूर्तियां और चुनरी रखी थीं। जिसमें एक चिंगारी पहुंच गई और आग की लपटें निकलने लगीं। देखते-देखते आग गार्ड रूम में पहुंच गई। आग की विकराल लपटें और भीषण धुआं देख मेला स्थल में लगी दुकानों में सो रहे लोग चीख-पुकार करने लगे। लोगों ने दमकल को घटना की जानकारी दी और पानी फेंककर आग पर काबू पाने में जुट गए। उधर, चौक और हजरतगंज फायर स्टेशन से मदकल कर्मी पहुंचे।

एफएसओ चौक आरके यादव, हजरतगंज एफएसओ रामकुमार रावत, फायर मैन ओमकार नाथ राव व अन्य की मदद से घंटे भर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर पहनना होगा मास्क : एडीजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में कोरोना के नये वेरिएंट के दस्तक देने के साथ ही सरकार सतर्क मोड में आ गई है। इसी कड़ी में पुलिस विभाग ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन करने के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। जिसमें सभी पुलिस कर्मियों को अनिवार्य रूप से मास्क पहनने और सेनिटाइजर का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं।

अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार की ओर से जोनल एडीजी, पुलिस कमिश्नर, आईजी रेंज और डीआईजी और एसएसपी के नाम दिशा-निर्देश जारी किया गया है। जिसमें पुलिस कर्मियों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के साथ ही शत-प्रतिशत टीकाकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। जो लोग बूस्टर डोज नहीं लगवाये हैं, उन्हें तत्काल टीका लगवाने के लिए कहा गया है।

पहली मुस्लिम महिला फाइटर पायलट बनीं मिर्जापुर की सानिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मिर्जापुर। अगर कुछ कर गुजरने का जुनून हो तो फिर इस दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के छोटे से गांव की रहने वाली सानिया मिर्जा ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। सानिया ने एनडीए की परीक्षा में 149वीं रैंक के साथ पलाइंग विंग में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। एनडीए में मात्र 19 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। पलाइंग में दो ही सीट है। सब कुछ ठीक रहा तो एनडीए से पास आउट होकर सानिया देश की पहली मुस्लिम महिला फाइटर पायलट बन जायेंगी।

नवंबर में जारी चयन लिस्ट में वे पलाइंग में चुनी जाने वाली दो महिलाओं में से एक हैं। सानिया एनडीए ट्रेनिंग के लिए 27 दिसंबर को पुणे में ज्वाइन करेंगी। सानिया ने बताया कि यूपी बोर्ड के विद्यार्थी भी एनडीए में जा सकते हैं। सानिया मिर्जा ने कहा कि मैं इंजीनियर बनना चाहती थी। 11वीं में देश की प्रथम महिला फाइटर पायलट अवनी चतुर्वेदी के बारे में जाना। वह मेरी प्रेरणा स्रोत बन गईं और मैंने एनडीए में जाने की ठान ली। कहा, देश सेवा सिर्फ जज्बा नहीं है बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। सानिया के पिता शाहिद अली मिर्जापुर में टीवी मैकेनिक हैं।

एक्शन में सुक्खू सरकार : भाजपा कार्यकाल के संस्थानों और कार्यालयों पर चला दिया चाबुक

» छह बहुतकनीकी कॉलेज, 14 आईटीआई, 43 आयुर्वेदिक संस्थान किए बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पूर्व जयराम सरकार के समय खोले गए विभिन्न विभागों के संस्थानों और कार्यालयों को बंद करने का सिलसिला थम नहीं रहा। मौजूदा सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू की सरकार में छह बहुतकनीकी कॉलेज,14 आईटीआई, दो आयुर्वेदिक अस्पताल समेत 43 आयुर्वेदिक हेल्थ सेंटर (एएचसी) बंद कर दिए गए। प्रदेश में अब तक कांग्रेस सरकार विभिन्न विभागों के 404 कार्यालयों और संस्थानों को डिनोटिफाई कर चुकी है।

सरकार ने कई आईटीआई में ऐसी ट्रेड भी बंद करने का फैसला लिया है, जिन्हें विधानसभा चुनाव के समय शुरू किया गया था। पूर्व जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह के विधानसभा क्षेत्र चोलथरा में और मंडी के ही भदरोता में खुला बहुतकनीकी कॉलेज सरकार ने बंद कर दिया है। इसके अलावा मंडी के तीन आईटीआई रिवालसर, बरोट और हाथगढ़ को भी डिनोटिफाई कर दिया गया है। इन संस्थानों में

अभी कक्षाएं शुरू नहीं हुई थीं। वहीं, चुनाव से पहले पूर्व जयराम सरकार ने सुंदरनगर और गड़खल आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र को अस्पताल बनाया था। सरकार ने इन दोनों अस्पतालों को डिनोटिफाई कर दिया है। आयुर्वेद विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक कुल 43 आयुर्वेदिक संस्थानों में से 31 आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं मिलना भी शुरू हो गई थीं। जबकि पांच संस्थान अभी खुले नहीं थे।

मोदी की फोटो लगे स्कूल बैग बांटने पर लगाई रोक

सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की फोटो लगे स्कूल बैग बांटने पर रोक लगा दी है। पहली, तीसरी, छठी और नौवीं कक्षा के ढाई लाख विद्यार्थियों को ये बैग दिए जाने हैं। 14 अक्तूबर को विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही बैग बांटने का काम बंद हो गया था। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने गुरुवार को सभी जिला उपनिदेशकों को पत्र जारी कर 14 अक्टूबर से पहले वितरित हुए स्कूल बैग की जानकारी जल्द देने को कहा है।

संस्थान बंद करने के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन शुरू

संस्थानों और कार्यालयों को बंद करने के विरोध में भाजपा ने प्रदेश भर में प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। मंडी के सराज, बल्ह, हमीरपुर के भोरंज, सिरमौर के पांवटा और संगड़ाह में सुक्खू सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। भाजपा नेताओं ने राज्यपाल को भी ज्ञापन भेजे हैं। अन्य जिलों में भी भाजपा कार्यकर्ताओं की उग्र आंदोलन की चेतावनी है।

आप ने शैली को मेयर, आले मोहम्मद को डिप्टी मेयर का बनाया उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए आम आदमी पार्टी ने नामों का ऐलान कर दिया है। आप ने दिल्ली में मेयर पद के लिए शैली ओबेरॉय को उम्मीदवार घोषित किया है, जबकि मटिया महल से विधायक शोएब इकबाल के बेटे आले मोहम्मद इकबाल को पार्टी ने डिप्टी मेयर का उम्मीदवार बनाया है।

दरअसल, एमसीडी के मेयर पद के कैंडिडेट के नाम का ऐलान करने के लिए आज आप ने पीएसी की बैठक बुलाई थी। इसमें मंथन के बाद मेयर पद के उम्मीदवार के लिए शैली ओबेरॉय के नाम पर मुहर लग गई। जबकि आम आदमी पार्टी ने स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य के लिए आमिल मलिक, रविंद्र कौर, मोहिनी जीनवाल और सारिका चौधरी के नाम की घोषणा की है। एमसीडी के मेयर के लिए 6 जनवरी को मतदान होगा, इसके लिए नामांकन दाखिल करने का आखिरी तारीख 27 दिसंबर 2022 है।

दिल्ली में मेयर, डिप्टी मेयर और सदन की स्थायी समिति के 6 मेंबर्स का चुनाव 6 जनवरी को होना है। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एमसीडी की पहली बैठक के लिए 6 जनवरी की तारीख तय की है। एमसीडी की 250 सीटों में से आम आदमी पार्टी ने 134 सीटें जीतकर बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया था, जबकि बीजेपी 104 सीटें ही जीत सकी थी। अब 6 जनवरी को होने वाले मेयर के चुनाव को लेकर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। मेयर के चुनाव में 250 पार्षदों के साथ 10 सांसद (3 राज्यसभा सांसद और 7 लोकसभा सांसद) और 13 विधानसभा सदस्य भी मतदान करेंगे। यानि 273 वोटर मेयर के चुनाव के लिए वोट करेंगे। यानि जादुई आकंड़ा 133 है। इस बहुमत के आंकड़ा को छूने वाली राजनीतिक पार्टी का ही मेयर होगा। इसमें आप के 134 पार्षद, तीन राज्यसभा सांसद हैं।

दिल्ली एमसीडी में मेयर चुनाव की सुगबुगाहट तेज

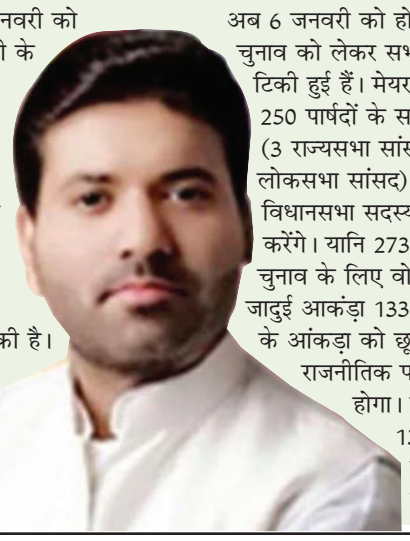

आजम खां, अब्दुल्ला आजम और डॉ. तजीन फातमा कोर्ट में पेश

» बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के दौरान एमपी-एमएलए कोर्ट ने तीनों को किया था तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र होने के आरोप में दर्ज मुकदमे में आज सपा नेता आजम खां, अब्दुल्ला आजम और डॉ. तजीन फातमा कोर्ट में हाजिर हुए। कल हुई सुनवाई के दौरान एमपी-एमएलए कोर्ट ने तीनों को तलब किया था। दरअसल, सपा विधायक अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र होने के आरोप में दर्ज मुकदमे में बृहस्पतिवार को एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट ट्रायल में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान अब्दुल्ला आजम के अधिवक्ता गवाह से जिरह करने नहीं पहुंचे। उनकी ओर से स्थगन प्रार्थनापत्र दिया गया। जिसको कोर्ट ने दस हजार रुपये के हर्जाने पर स्वीकार किया है। साथ ही सपा नेता आजम खां, सपा विधायक अब्दुल्ला आजम और पूर्व विधायक डॉ. तजीन फातमा को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं। भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र होने के मामले में गंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मुकदमे में सपा नेता आजम खां और उनकी पत्नी डॉ. तजीन फातमा भी आरोपी हैं। पुलिस इस मामले में तीनों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

इस मामले में आजम खां, डॉ. फातमा और अब्दुल्ला जमानत पर चल रहे हैं। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है। बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के दौरान अब्दुल्ला के वकीलों ने कोर्ट में स्थगन प्रार्थनापत्र दाखिल किया था। कोर्ट ने इसे दस हजार के हर्जाने पर स्वीकार किया। साथ ही इस मुकदमे के आरोपियों आजम खां, अब्दुल्ला आजम और तजीन फातमा को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने के आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश के बाद शुक्रवार सपा नेता आजम खां, सपा विधायक अब्दुल्ला आजम और पूर्व सपा विधायक डॉ. तजीन फात्मा कोर्ट में पेश हुए।

तिहाड़ जेल से बाहर आया उमर खालिद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दंगा मामले में गिरफ्तार जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को आज सुबह 7 बजे तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर खालिद को अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए सात दिन की अंतरिम जमानत दी है।

जेल अधिकारियों ने बताया है कि सुबह 7.10 बजे उमर खालिद जेल से बाहर निकला गया। आपको बता दें कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने खालिद को 23 से 30 दिसंबर तक के लिए जमानत दी। खालिद पर फरवरी 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में कथित मुख्य साजिशकर्ता होने के आरोप लगने के बाद गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे जबकि 700 से अधिक घायल हुए थे। सीएए और एनआरसी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी।

फोटो: सुमित कुमार

जन्म दिवस पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बाहर कृषि विभाग द्वारा 10 ट्रैक्टर को हरी झंडी दिखाई व उनके चित्र पर माल्यार्पण किया।

50 फीट गहरी खाई में गिरी कार तीन महिलाओं सहित चार की मौत

» दुर्घटना में चार घायल प्रयागराज से रायपुर लौट रहा था परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम (कवर्धा) जिले में आज तड़के सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि चार अन्य लोग घायल हैं। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं। हादसा कार के 50 फीट गहरी खाई में गिरने से हुआ है। सभी लोग प्रयागराज से रायपुर लौट रहे थे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसा कुकदूर थाना क्षेत्र में हुआ है।

बेमेतरा के कुसमी गांव निवासी फागू यादव (60) व कौशल्या (70), सिमगा के दामाखेड़ा निवासी सती बाई (35) और रायपुर के भनपुरी निवासी मालती (45) सहित आठ लोग अस्थि विसर्जन के लिए प्रयागराज गए थे। वहां से सभी कार से रायपुर लौट रहे थे। अभी वे कवर्धा में मध्य प्रदेश स्टेट हाईवे पर पोलमी गांव के पास पहुंचे थे कि कार अनियंत्रित होकर 50 फीट गहरी खाई में जा गिरी।

कार खाई में कब गिरी, इसकी जानकारी नहीं है। शुक्रवार तड़के स्थानीय ग्रामीणों ने देखा तो उन्होंने घटनास्थल का वीडियो बनाया और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा।

हालांकि तब तक तीन लोगों की मौके पर मौत हो चुकी थी। जबकि एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। अभी तक घायलों के नाम सामने नहीं आ सके हैं। आशंका है कि देर रात या फिर तड़के हादसा हुआ होगा।

वाराणसी में पूर्व पीएम आज बाबा विश्वनाथ के करेंगे दर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर काशी आएंगे। जिला प्रशासन के पास उनके दौरे का प्रोटोकॉल भी आ गया है। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री नई दिल्ली से चलकर बाबतपुर एयरपोर्ट पर दोपहर 2.45 बजे पहुंचेंगे। यहां से निकलकर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने जाएंगे। अगले दिन शनिवार को वह काशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती में शामिल होने के साथ ही बाबा का दर्शन पूजन कर दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।